शुक्रवार
04 अप्रैल 2025
33 साल से देहरादून का विश्वास
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 66
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00
दूनवैलीमेल
सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दो डकैत गिरफ्तार

70 लाख की डाली थी डकैती, 26 लाख बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सस्ता सोना देने के नाम पर 70 लाख की डकैती की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 26 लाख रूपये की नगदी बरामद की गयी है। हालांकि मामले में मुख्य किरदार एक महिला सहित अन्य आरोपी फरार है जिनकी तलाश जारी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि बीती 29 मार्च को मोहित चौबे पुत्र पूरन चन्द्र चोबे निवासी ग्राम जग्गी बंगर थाना लालकुआ जिला नैनीताल ने कोतवाली सितारगंज में तहरीर देकर बताया गया था कि किरन कौर उर्फ बबली नाम की महिला मेरे संपर्क में लगभग 3 माह से आई और उसने मुझे कहा कि हमें सोना मिला है आप खरीद लो और मैं तीन माह से उक्त महिला को टालता रहा किन्तु उसने मेरा मेरा ब्रेनवाश कर दिया जिससे मैं उसके झाँसे में फस गया और 26 मार्च को अपने साथी संदीप शर्मा के साथ किरन कौर उर्फ बबली के बताये घर ग्राम रसोइयापुर पहुंच गया। वहां पर किरन कौर उर्फ बबली निवासी सैदौरा, लखविन्दर उर्फ लक्खा निवासी ग्राम रसोईयापुर, सतनाम उर्फ पप्पू निवासी रसोईयापुर, महेन्द्र उर्फ धमेन्द्र निवासी सलमता नानकमत्ता, गुरमेल सिंह निवासी कैथुलिया नानकमत्ता, बलवीर सिंह उर्फ वीरू निवासी कैधुलिया नानकमत्ता, सुखविन्दर कौर निवासी कैधुलिया नानकमत्ता राजू रस्तोगी उर्फ कृष्णा सुनार

सस्ता सोना देने के नाम पर दिया था डकैती की घटना को अंजाम

नानकमत्ता, देबू निवासी बनगांव खटीमा आदि मिले। जिन्होने मुझे सोने का सैंपल दिया। जिसे चैक कराया तो वह 24 कैरेट का निकला। अगले दिन 27 मार्च को मैं अपने साथी संदीप शर्मा के साथ सोने का सौदा करने के लिए सितारगंज पहुंचा।

बताया कि उनके पास एक नीले रंगा बैग था जिसमे 70 लाख रूपये रखे हुए थे। मेरे द्वारा जब सोना मांगा गया तो किरन कौर ने कहा कि सोना आ रहा है लगभग 10 से 15 मिनट के बाद एक बिना नम्बर की सफेद स्विफ्ट डिजायर कार आई जिस में महेन्द्र उर्फ धमेन्द्र, बलवीर सिंह, गुरमेल सिंह तथा देवराज लाठी डण्डे लेकर घर में घुसे तथा मुझे धमकाने लगे उसके व उसके साथी के साथ लाठी डण्डो से मारपीट शुरू कर दी जिसे वह एवं उसका साथी घायल हो गये। जिसके बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गये। तहरीर के अधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। सभी आरोपी फरार थे जिनमें से एक सूचना के बाद नामजद बलबीर सिंह पुत्र मेहर सिंह निवासी देशी भुड़िया कोतवाली खटीमा उधमसिंह नगर व लखविन्दर उर्फ लक्खा पुत्र सतनाम उर्फ पप्पू निवासी ग्राम रसोईयापुर थाना कोतवाली सितारगंज उधमसिंह नगर को धानचौडा से आगे बिलहैरा पुलिया के पास सरकडा सितारगंज से गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से लूटे गये 26 लाख रूपये बरामद किये गये है।

दून वैली मेल

संपादकीय

वक्फ बिल की अनुगूंज

देश के सत्ता शीर्ष पर बैठी भाजपा ने बहुमत के दम पर वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2025 को संसद से पारित जरूर करा लिया हो लेकिन इस बिल को पारित होने से वक्फ बोर्ड में व्याप्त अनियमितताओं का समाधान हो गया है या हो जाएगा अथवा मुस्लिम समाज के गरीबों को न्याय मिलेगा, जिसका हवाला भाजपा के शीर्ष नेता देकर इस बिल को लाए हैं यह दोनों ही बातें 100 फीसदी झूठ है। इस बिल का जिस तरह से पुरजोर विरोध विपक्ष द्वारा किया गया है तथा वह सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती देने की बात कह रहा है तथा जदयू और टीडीपी जैसे सरकार के सहयोगी दल जिनके समर्थन से यह बिल संसद में पास हो सका है उनमें अब बगावत सामने आ रही है तथा जदयू नेताओं के इस्तीफे होने शुरू हो गए हैं और उपराष्ट्रपति तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने इस बिल के पारित होने पर इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भले ही यह बिल संसद से पास हो गया हो लेकिन यह संसद और संविधान की सर्वोच्चता और संविधान की मूल भावना के खिलाफ है और इसे आने वाले दिनों में न्यायपालिका खारिज करती हुई दिखेगी। यह सब कुछ यह बताने के लिए काफी है कि यह मुद्दा खत्म नहीं हुआ है बल्कि एक गंभीर समस्या के रूप में अब शुरू हुआ है। इसके तमाम साइड इफेक्ट्स दिखने शुरू हो गए हैं और आगे भी देखने को मिलेंगे। बिल के संसद में पास होते ही आज पूरे यूपी में पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई है। लखनऊ से लेकर नोएडा तक पुलिस प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है। जदयू के नेता कासिम अंसारी जो बिहार के मोतीहार क्षेत्र से बड़े अल्पसंख्यक नेताओं में शुमार है, ने नीतीश कुमार को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बिहार तथा आंध्र प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में जदयू व टीडीपी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है तथा इसका केंद्र की सरकार पर बड़ा प्रभाव देखा जा सकता है संसद में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन का साफ कहना है कि सत्ता में बैठे लोग संविधान व लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ काम कर रहे हैं तथा इस बिल का मकसद अल्पसंख्यकों को परेशान करना और उनके अधिकारों को छीनना ही इसका उद्देश्य है। संसद में हुई चर्चा के दौरान तमाम नेताओं द्वारा वक्फ बिल कें संशोधन में विपक्ष द्वारा दिए गए 144 संशोधनों के सुझावों को नकार दिए जाने का मुद्दा भी उठाया गया तथा वक्फ बोर्ड की 11 सदस्यीय समिति में सात गैर मुस्लिम सदस्यों की मौजूदगी की व्यवस्था किए जाने पर भी आपत्ती जताई गई लेकिन सत्ता पक्ष ने उनकी किसी दलील और तर्क को तवज्जो नहीं दी। इस बिल के पास होने के बाद देश भर में कहां क्या क्रिया प्रतिक्रिया होती है अलग बात है। लेकिन इसको न्यायपालिका में चुनौती दिया जाना तय है। कल यह भी हो सकता है कि इलेक्ट्रोलर बांड की तरह इस वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2025 को भी न्यायपालिका असंवैधानिक ठहरा कर इसे रद्द कर दे लेकिन ऐसा होता भी है तो इससे संसद की मर्यादा का क्या होगा ऐसा लगता है कि अब संविधान व संसद की सर्वोच्चता और मर्यादा की भी किसी को कोई चिंता है ही नहीं। अगर होती तो इस बिल पर पूर्व में लाये गए 2019 के संशोधन बिल की तरह आम सहमति बनाने के प्रयास किए गए होते। इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे? यह तो आने वाला समय ही बताएगा?

विदेश भेजने के नाम पर ठगे साढे तीन लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। विदेश भेजने के नाम पर दो लोगों से ठगे साढे तीन लाख रूपये के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटवाडा टिहरी गढवाल निवासी पपेन्द्र सिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गरीब एवं बेरोजगार युवा है। उसने रोजगार हेतु सुबोध भट्ट जिनका कार्यालय- भूमिका ओवरसीज कंन्सल्टेंसी, मोहकमपुर से संपर्क किया, जिसने विदेश भेजने के नाम पर 100 रूपये के स्टांप पेपर पर अनुबंध पत्र बनाया जिसके अंतर्गत उसको लिथुआनिया देश भेजने के एवज पर एक लाख पचास हजार रूपये का चैक उसकी धर्मपत्नी मीना देवी के एवं पचास हजार रूपये सुबोध भट्ट के खाते में ट्रांसफर किये साथ ही उसके रिश्तेदार मुकेश रावत निवासी कोटी, मंगरौ, टिहरी गढवाल को भी विदेश भेजने के नाम पर उनसे भी एक लाख पचास हजार रूपये चैक से सुबोध भट्ट के खाते में जमा करवाए गए है, लेकिन सुबोध भट्ट द्वारा उसको एवं उसके रिश्तेदार मुकेश रावत को अभी तक ना तो विदेश भेजा गया और ना ही रकम वापस की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नींबूवाला में विकास कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नींबूवाला क्षेत्र का दौरा कर विकास कार्यो का जायजा लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नींबूवाला क्षेत्र का दौरा कर वहां चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उच्च टेंशन विद्युत लाइन (33 केवी) के तारों को भूमिगत करने के संबंध में विभागीय अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से निर्देश दिए।

मंत्री जोशी ने सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति का निरीक्षण करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माणाधीन सड़क स्थानीय निवासियों के घरों से ऊंची न हो। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण इस प्रकार किया जाए जिससे लोगों को कोई असुविधा न हो और उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अतिरिक्त कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नींबूवाला स्थित शिव मंदिर के शिफ्टिंग हेतु चिन्हित किए गए स्थान का भी निरीक्षण किया। कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्र में चल रहे कार्यों की गुणवत्ता और गति बनाए रखने पर जोर दिया तथा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर, पीबीओआर शमशेर सिंह बिष्ट, महेश प्रसाद, एस.डी.डंगवाल, विपुल, सागर, जसपाल सिंह सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

नशे के कैप्सूलों के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नशे के कैप्सूलों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 96 नशे के कैप्सूल बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम जुबेर पुत्र अकबर निवासी हरभजवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

निजी स्कूलों एवं किताब विक्रेताओं पर कार्यवाई के लिये जताया डीएम का आभार

देहरादून (सं)। निजी स्कूलों व किताब विक्रेताओं पर कार्यवाही के लिए अभिभावकों ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। आज यहां निजी स्कूलों में महंगी होती शिक्षा व उनकी मनमानियों एवं किताब विक्रेताओं द्वारा महंगे दामों व नकली किताबों व उनकी मनमानियों के खिलाफ जिलाधिकारी देहरादून द्वारा विगत दिनों की गई कार्यवाई पर अभिभावकों मे संतोष एवं खुशी की लहर है जिसका आभार व्यक्त करने के लिए एनएपीएसआर का एक प्रतिनिधि मंडल ने संस्था के अध्यक्ष आरिफ खान की अध्यक्षता मे शिष्टाचार भेंट कर जिलाधिकारी देहरादून का अभिभावकों की ओर से आभार व्यक्त किया। साथ ही अन्य किताब विक्रेताओं एवं निजी स्कूलों की मनमानियों के खिलाफ कार्यवाई की मांग भी करी है। जिस पर जिलाधिकारी ने लिखित शिकायत मिलने पर स्कूलों पर कार्यवाई का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल मे संस्था के पूर्व मंडल प्रभारी दीपक मलिक, सरदार गुरजेंद्र सिंह, एडवोकेट अरुण खन्ना, परमजीत सिंह, सुधीर कपूर एवं शांति प्रसाद जखमोला शामिल रहे।

क्या स्मार्ट सिटी का हिस्सा नहीं है धर्मपुर विधान सभा क्षेत्रः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में कूडे के पहाड व दुर्गंध देखकर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि क्या स्मार्ट सिटी का हिस्सा धर्मपुर विधान सभा क्षेत्र नहीं है।

आज यहां धर्मपुर विधान सभा क्षेत्र में ब्राह्मणवाला कारगी बंजारावाला क्षेत्र के बीचों बीच राष्ट्रीय राज मार्ग पर नगर निगम द्वारा बनाए गए कूड़े के पहाड़ की दुर्गंध व उससे लगने वाले जाम से परेशान लोगों ने पूर्व मेयर, विधायक, सांसद से गुहार लगा लगा कर समस्या के समाधान न होने पर आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना को अपनी समस्या सुनाने व दिखाने के लिए मौके पर आमंत्रित किया।

धस्माना साढ़े बारह बजे जब मौके पर पहुंचे तो वहां ब्राह्मणवाला के पार्षद मुकीम अहमद, बंजारावाला के विवेक

घिल्डियाल, बीएस रावत, मुकुल पंत, आशीष राठौर, अनीस अंसारी, दीपक कंडारी अमित चांद फैजान अहमद आदि बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने धस्माना को पूरे प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करवाया।

विवेक घिल्डियाल ने कहा कि पिछले आठ वर्षों से इस कूड़े के पहाड़ के कारण आस पास के डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाली आबादी जो कि कारगी, बंजारावाला, ब्राह्मणवाला, आजाद नगर जो घनी आबादी वाले इलाके हैं गंदगी की सड़ांध व बदबू के कारण यहां के लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

ब्राह्मणवाला के पार्षद मुकीम अहमद ने कहा कि कूड़ा डालने व उठाने वाली गाड़ियों के सड़क पर खड़े होने से इस पूरी सड़क पर अक्सर जाम लगा रहता है व आए दिन दुर्घटनाएं भी होती हैं।

धस्माना ने मौके से ही नगर निगम के महापौर सौरभ थपलियाल से वार्ता कर उनको समस्या से अवगत करवाते हुए तत्काल समस्या के समाधान की मांग की जिस पर मेयर ने उनको नगर निगम वार्ता के लिए आमंत्रित किया। आक्रोशित क्षेत्रवासियों को धस्माना ने आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में जनता के साथ हैं और मेयर से मुलाकात कर इस समस्या का समाधान करवाएंगे और अगर आवश्यकता पड़ी तो वे इस मामले में मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे और अगर फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सड़कों पर आंदोलन से भी नहीं चूकेंगे।

एसएसपी ने कॉपरेटिव सोसायटी द्वारा किए गए फ्रॉड पर जांच की समीक्षा की

संवाददाता

टिहरी। कॉपरेटिव सोसायटी द्वार किये गये फ्रॉड की जांच की एसएसपी ने समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार द लोनी अर्बन मल्टी-स्टेट क्रेडिट एवं थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा निवेशकों का धन ना लौटाए जाने व उक्त कंपनी को बंद कर फरार होने पर विभिन्न थानों पर पंजीकृत अभियोगों के संबंध में एसएसपी द्वारा आज वीसी के माध्यम से पुलिस कार्यालय में समीक्षा गोष्ठी आहुत की गई है। जिसमें क्षेत्राधिकारी टिहरी/चम्बा/नरेंद्र नगर एवं प्रभारी निरीक्षक टिहरी/एसओ चम्बा, एसओ घनसाली, एसओ देवप्रयाग के साथ-साथ उक्त अभियोगों से संबंधित विवेचकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कॉपरेटिव सोसायटी ऊंचे ब्याज दरों का लालच देकर निवेशकों की करोड़ो रुपए की पूंजी लेकर फरार हो गई है। एसएसपी द्वारा निर्देशित किया गया कि संपूर्ण साक्ष्य संकलित करने के उपरांत ही जांच द्वारा आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किए जाए,ताकि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके। सभी क्षेत्राधिकारी भी गंभीरता से उक्त जांच को पर्यवेक्षण करते रहेंगे। सभी जांच अधिकारी वास्तविक डिपॉजिटर तक पहुंचने का प्रयास करें। एवं निवेशकों का धन वापस कराने हेतु आवश्यक कानूनी कारवाही करे। डीसीआरबी,एनसीआरबी एवं ऑन लाइन पोर्टल के माध्यम से भी ऐसे अभियुक्तों की निगरानी करते रहेंगे,। एसएसपी द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा समय समय पर इन जांच की समीक्षा की जाएगी।

ओवर लोडिंग में पिकअप वाहन किया सीज

उत्तरकाशी (सं)। यातायात पुलिस ने ओवर लोडिंग (20 सवारी) में पिकअप वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज यातायात पुलिस द्वारा उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह चुफाल के नेतृत्व मे चौकी नौगांव के बिल्ला क्षेत्र मे रूटीन वाहन चैकिंग की जा रही थी, चैकिंग के दौरान यातायात पुलिस द्वारा एक ओवरलोड पिकअप वाहन को पकड़ा गया, जिसमें 20 सवारी बैठी थी, जबकि वाहन 2 सवारी मे पास है। पुलिस द्वारा वाहन को सीज कर थाना पुरोला में दाखिल किया गया। उत्तरकाशी पुलिस सभी वाहन चालकों से अपील करती है कि वाहनों मे क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं, ओवरलोड व क्षमता से अधिक सवारी यातायात नियमों के विरुद्ध है, साथ ही सड़क सुरक्षा की दृष्टि से बेहद खतरनाक है, इससे सड़क दुर्घटनाओं की सम्भावना कई गुना बढ़ जाती है। यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित रहे।

एसडीआरएफटीम ने पुलिस व चौकीदारों को दी आपदा उपकरणों की जानकारी

संवाददाता

टिहरी। एसडीआरएफ टीम द्वारा थाना थत्युड पर नियुक्त पुलिस बल व ग्राम चौकीदारों को आपदा उपकरणों व राहत एवं बचाव कार्यो की जानकारी दी। आज यहां आयुष अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल के आदेशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी चम्बा के निकट पर्यवेक्षण में एसडीआरएफ टीम डाकपत्थर विकासनगर देहरादून से आए कांस्टेबल सन्दीप सिंह, कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह द्वारा थाने पर उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारियों, होम गार्ड व ग्राम चौकीदारो को थाना परिसर में आपदा उपकरणों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। तथा आपदा अग्नि सम्बन्धी दुर्घटनाओं व सड़क दुर्घटनाओं के दौरान सडक दुर्घटना उपकरणों का सही से प्रयोग करने एवं अन्य प्रकार की आपदाओं की स्थिति में आपदा उपकरणों का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर राहत व बचाव कार्य किये जाने व आपदा उपकरणों का रख-रखाव के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के सभी थाना प्रभारियों को यात्रा काल के दौरान हर प्राकृतिक, अप्राकृतिक चुनौतियों हेतु अन्य सरकारी गैर सरकारी विभागों, निगमों आदि से समन्वय बनाते हुए तैयार रहने को कहा गया है। .

ज्यादा टीवी देखने की आदत कैसे छुड़ाएं

बच्चें हों चाहे बड़े, टीवी देखने की आदत हर किसी को होती है। टीवी देखना बुरा नहीं होता, मगर टीवी के सामने हर वक्त पूरा काम-काज छोड़ कर बैठना एक गंदी आदत होती है। अगर महिलाएं सब कुछ छोड़ कर केवल टीवी के सामने टिक जाती हैं तो उनके घर में तकरार का कारण बनता है। वहीं अगर बच्चे टीवी के आदि हो गए तो उनकी पढ़ाई लिखाई चौपट समझिये।

टीवी की आदत तब तक अच्छी है जब तक उससे आपका खाली समय व्यतीत हो रहा है, बाकी इसे कभी भी अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा नहीं बनाना चाहिये। अगर आप या आपके घर में किसी को टीवी देखने की बुरी आदत पड़ी हुई है तो आप उसकी आदत को इन टिप्स के जरिये छुड़वा सकते हैं।

घर में रखें केवल एक टीवी घरों में एक से ज्यादा टीवी होने के कारण सदस्य हर वक्त टीवी से ही चिपके रहते हैं। अगर घर में एक ही टीवी रहेगा तो हर कोई अपने समय से टीवी देख कर दूसरे को टीवी देखने का मौका देगा। जिससे कोई भी व्यक्ति ज्यादा समय तक टीवी के सामने नहीं बैठेगा।

टाइमर या अलार्म लगा कर टीवी देखें अगर आपको लगता है कि आपका सारा समय टीवी खा जाता है तो, एक किसी दूसरे कमरे में टीवी से दूध एक अलार्म सेट कर के रखें। इससे जब वह बजेगा तो आपको अपनी कुर्सी से उठ कर उसे बंद करने के लिये जाना होगा, इससे आपको टीवी को भी बंद करने का संकेत मिलेगा।

टीवी का रिमोट छुपा दें अगर पास में टीवी का रिमोट नहीं होगा तो चैनल को बार बार कौन बदलेगा इसी तरह से देखने वाला बोर हो जाएगा और वह टीवी बंद कर देगा।

फर्नीचर में बदलाव करें अपने कमरे का फर्नीचर ऐसा कर दें जिससे कि टीवी आसानी से उपलब्ध ना हो सके। यानी जिसे भी टीवी देखना हो, उसे टीवी देखने के लिये फर्नीचर इधर उधर करना पड़े। ऐसे में परेशानी की वजह से व्यक्ति टीवी देखने में आलस करेगा। बिना टीवी देखे भोजन करें अपने घर में एक नियम बनाएं कि कोई भी सदस्य टीवी के सामने बैठ कर भोजन नहीं करेगा। केवल कुछ ही टीवी शो देखें अपने टीवी देखने का कार्यक्रम हर हफ्ते बदलती रहें। टीवी गाइड ले कर बैठ जाइये और उसमें से कुछ ऐसे प्रोग्राम्स चुन लीजिये जो आपको हफ्तेभर में देखने हों। फिर उसे देखिये और फिर टीवी बंद कर दीजिये।

रोज सुबह उठते ही खाए हरा सेब, जानिए क्या है इसके फायदे

सेब खाना तो सभी को पसंद होता है, ऐसा इसलिए क्योंकि मीठे सेब काफी स्वादिष्ट होते हैं। वैसे सेब केवल खाने में ही नहीं, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक होते है। जी हाँ और आप जानते ही होंगे सेब खाने के बारे में डॉक्टर्स भी कहते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेब का सेवन दिल की सेहत और पाचन की सेहत ठीक रखने जैसे अन्य बहुत से स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। केवल इतना ही नहीं बल्कि हरे सेब स्किन, बालों के लिए भी काफी लाभदायक होते हैं। आज हम आपको बताएंगे हरे सेब को खाने के फायदे।

हरा सेब खाने के स्वास्थ्य लाभ-

- यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और दिल की सेहत में भी सुधार देखने को मिलता है।

- हरे सेब का रोजाना सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज़ होने का खतरा भी काफी कम हो जाता है।

- हर सेब में पेक्टिन नाम का तत्व होता है, जो एक प्रो-बायोटिक का काम करता है और पेट और पाचन तंत्र के स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करता है।

- हरे सेब में विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम और आयरन जैसे पौष्टिक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए लाभदायक होते हैं।

- हरे सेब में एंटीआक्सीडेंट होते हैं, जो स्किन को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं और एजिंग के लक्षणों से भी राहत दिलाते हैं, इसलिए यह स्किन के लिए काफी लाभदायक है।

- हरा सेब खाने से बालों की सेहत में भी सुधार होता है।

- हर दिन एक व्यक्ति 4 से 5 मीडियम साइज का हरा सेब खा सकता है इसे बड़े लाभ होते हैं।

चेहरा धोते समय कही आप ये गलतियां तो नहीं करते

आज के समय में कोई ऐसा नहीं है जो कि अपने चेहरे का ठीक ढंग से ख्याल नहीं रखता हो। आज का दौर पैशन का दौर है। जिसमें कोई कभी किसी से कम नहीं दिखना चाहता है।

अगर किसी पार्टी में जाना है तो 4 दिन पहले से ही तैयारियों में जुट जाते है। जिससे कि उस दिन कोई समस्या न हो। इसी तरह हम जब अपना मेकअप उतारते है तो साफ पानी से मुंह धो लेते है। लेकिन आप जानते है कि आपका चेहरा धोने का तरीका आपके स्किन के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है।

हम चेहरे धोते समय अक्सर ऐसी गलतियां कर देते है जिसके कारण हमारी स्किन सहीं नही रहती है। वह बेजान भी हो सकती है। जानिए ऐसी कौन सी गलतियां है जो हमें नहीं करनी चाहिए।

जब भी आप अपने चेहरे को धोने जाए तो इस बात का ध्यान रहे कि जिस पानी का इस्तेमाल कर रहे है वो न ज्यादा ठंडा और न ही ज्यादा गर्म हो। इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। इसलिए हल्के गुनगुने पानी से अपना चेहरा धोए।

इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि कभी भी साबुन से अपना चेहरा न धोए। इससे आपको नुकसान हो सकता है। अगर फेसवॉश खत्म हो गया है तो इसके बदले आप बेसन का इस्तेमाल कर सकते है।

चेहरे को स्क्रब करना बहुत ही जरुरी है, लेकिन इसके लिए अपने हाथ इस्तेमाल करें। अगर आपने स्क्रबर का इस्तेमाल किया तो आपकी स्किन रगड़ भी सकती है। जिससे इसका निशान पड़ जाएगा।

नियमित करने की कार्ययोजना की घोषणा करे सरकारः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कर्मचारियों को नियमित करने की कार्ययोजना की घोषणा धामी सरकार को तत्काल करनी चाहिए।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों के वार्ता करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि लंबे समय से अपने नियमितीकरण की बात जोह रहे उपनल कर्मचारियों को नियमित करने की कार्ययोजना की घोषणा धामी सरकार को तत्काल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय से अपने नियमितीकरण की लंबी लड़ाई जीतने के बाद भी उपनल कर्मचारियों को राज्य सरकार केवल आश्वाशन दे रही है किन्तु उनके समायोजन की नीति नहीं बना रही है। धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार को चाहिए कि उपनल में सात वर्ष से अधिक की सेवा से चुके सभी उपनल कर्मचारियों को सरकार को तत्काल नियमित कर देना चाहिए व इससे कम अवधि वाले कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से समायोजित करने की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। धस्माना ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने शीघ्र उपनल कर्मचारियों को नियमित करने की कार्ययोजना घोषित नहीं की तो कांग्रेस पार्टी इस संबंध में पूरे प्रदेश में कर्मचारियों के पक्ष में आंदोलनात्मक कार्यक्रम की घोषणा करेगी और पूरे प्रदेश में कर्मचारियों के परिजनों के साथ धरने प्रदर्शन आयोजित करेगी।

स्मैक सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्मैक तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 4.32 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 4.32 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम उस्मान पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम ऐथल थाना पथरी हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

4.92 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। चम्बा पुलिस ने 4.92 ग्राम स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद मे अवैध नशीली पदार्थ एवं अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु आयुश अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी चंबा के निकट प्रवेक्षण में थाना चंबा पुलिस द्वारा गत दिवस गश्त /चेकिंग के दौरान नागानी के पास ऋषिकेश रोड पर पशुलोक ऋषिकेश निवासी सुनील वर्मा पुत्र कृष्ण दत्त वर्मा को करीब 4.92 ग्राम स्मैक के साथ मय स्कूटी के गिरफ्तार किया गया। आरोपी स्मेक कहां से लेकर आ रहा था और किसको बेचने जा रहा था की भी जाँच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डायबिटीज, वेट लास के साथ बॉडी डिटॉक्स भी करता है 'जौ' का पानी, आज़मा कर देखें

सर्दी खत्म होते ही गर्मी दस्तक दे दी है और मार्च की दोपहर में तेज धूप के साथ बढ़ता तापमान लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। इस मौसम में खुद को फिट और स्वस्थ रखना भी बहुत जरूरी होता है। ऐसे में इस मौसम में जौ का पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, जौ का पानी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके सेवन से पाचन क्रिया बेहतर बनती है इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि यह शरीर को अंदर से साफ रखने के साथ-साथ त्वचा की चमक भी वापस लाता है। जौ का पानी पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी बहुत चमत्कारी होता है। आइए जानते हैं इसे रोजाना पीने के फायदों के बारे में -

रोजाना जौ का पानी पीने के ये हैं फायदे-

पाचन तंत्र को दुरुस्त रखे

गर्मियों के दिनों में जौ का पानी पीने से पाचन तंत्र और पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। जौ के पानी में फाइबर अधिक मात्रा में होता है, जो पाचन में सहायता करता है और पेट फूलने से बचाता है। इसमें बीटा-ग्लूकेन भी पाए जाते हैं, जो अच्छे आंत बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देते हैं, जिससे पूरे पाचन स्वास्थ्य में सुधार होता है। रोजाना एक गिलास जौ का पानी पाने से आंत माइक्रोबायोम को स्वस्थ बनाएं रखने में मदद कर सकता है, जिससे सूजन और बेचैनी कम हो सकती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

रोजाना एक गिलास जौ का पानी पाने से डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। इसके मौजूद बायोएक्टिव यौगिक इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करने में मदद कर सकते हैं, जिससे

डायबिटीज रोगियों को लाभ मिलता है।

वजन कम करने के लिए फायदेमंद

जौ का सेवन करने से आपके शरीर को इंस्टेंट एनर्जी भी मिलती है। इसमें कैलोरी की पर्याप्त मात्रा होती है लेकिन इसमें मौजूद फाइबर वजन कम करने के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। वजन कम करने के लिए आप जौ का शरबत पी सकते हैं। रोजाना सुबह के समय एक गिलास जौ का शरबत पीने से आपको वजन कम करने में फायदा मिलेगा।

शरीर को डिटॉक्स करने के लिए फायदेमंद

शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ आपके शरीर को कई बीमारियों और समस्याओं का शिकार बना सकते हैं। शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने या बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए जौ के शरबत या पानी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद गुण शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के अलावा यूरिन इन्फेक्शन की समस्या में भी फायदेमंद माने जाते हैं।

हार्ट के लिए फायदेमंद

जौ का पानी दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। नियमित रूप से जौ का शरबत या जौ का पानी पीने से आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है और ब्लड प्रेशर की समस्या में फायदा मिलता है। रोजाना जौ का शरबत पीने से आपको दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है।

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे
1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

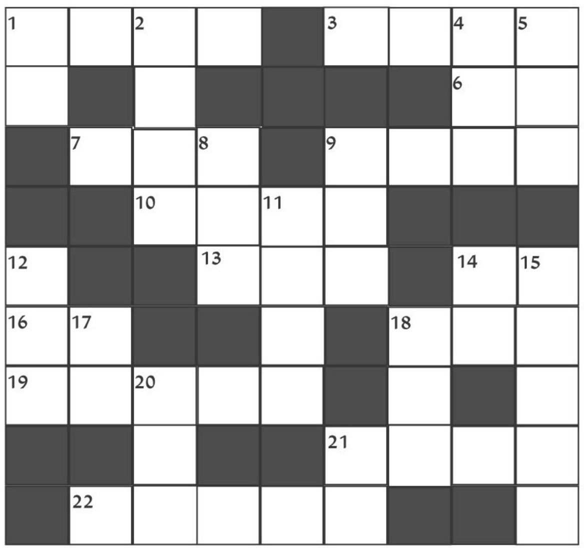

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

एक्ट्रेस रश्मिका को जिम में पसीना बहाना पसंद

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का सोशल मीडिया फीड इस बात का सबूत है कि दिवा को जिम में पसीना बहाना पसंद है।

फिटनेस से जुड़ी हुई अपनी सीरीज कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है के हिस्से के रूप में, एनिमल एक्ट्रेस ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर फिटनेस के लिए अपने प्यार को शेयर किया।

रश्मिका ने वर्कआउट के बाद की कुछ फोटो शेयर कीं, जिसमें उनके एब्स और आकर्षक मुस्कान दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, चाहे कहीं भी, कैसे भी, किसी भी अवस्था में क्यों न हो... मैं हमेशा वर्कआउट करने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लूंगी.... मुझे वो काम करने से कोई नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है... पार्ट-2।

इससे पहले, रश्मिका ने सीरीज के भाग एक में खाने के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की थी, कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है।

वह आम के हलवे का लुत्फ़ उठाती नजर आईं। पुष्पा एक्ट्रेस नीले डेनिम के साथ काले रंग के टैंक टॉप में स्टाइलिश दिखीं।

रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है! पार्ट-1!

रश्मिका के प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह सलमान खान के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

ए.आर. मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित सिकंदर का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। सलमान और रश्मिका के अलावा, इस फिल्म में काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिका में हैं।

यह फिल्म 2014 की ब्लॉकबस्टर किक के बाद निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ सलमान की फिर से वापसी है।

सिकंदर ईद-उल-फितर के मौके पर 31 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसके अलावा, रश्मिका आयुष्मान खुराना अभिनीत थामा का भी हिस्सा होंगी।

राज कुंद्रा ने अपनी पंजाबी फिल्म मेहर की शूटिंग पूरी की

राज कुंद्रा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपने पहले प्रोजेक्ट 'मेहर' के साथ कदम रख रहे हैं। उन्होंने पहले ही मोहाली में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की थी, और अब मात्र तीस दिनों में उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। शूटिंग खत्म करने के बाद राज कुंद्रा ने पूरी कास्ट के साथ जश्न मनाया और इस खास पल को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया।

राज कुंद्रा ने फिल्म की कास्ट के साथ एक वीडियो साझा किया, जिसमें सभी शूटिंग पूरी होने का जश्न मना रहे हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह खत्म हुआ! मेहर पर 30 दिनों की कड़ी मेहनत, जुनून और अविस्मरणीय यादें! पूरी टीम को इस शानदार सफर के लिए बधाई। अब इंतजार नहीं हो रहा कि आप सभी 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में इस जादू को देखें

मशहूर पंजाबी फिल्म निर्माता राकेश मेहता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राज कुंद्रा एक अनोखे किरदार में नजर आएंगे। मेहर, जो प्यार, दोस्ती और जिंदगी की कहानी को दर्शाती है, इसमें गीता बसरा, मास्टर अगमवीर सिंह, बनिंदर बन्नी, सविता भट्टी, रुपिंदर रूपी, दीप मंदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तरसेम पॉल और कुलवीर सोनी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म डीबी डिजिटेनमेंट और रघु खन्ना द्वारा प्रस्तुत की गई है, जबकि दिव्या भटनागर और रघु खन्ना इसके निर्माता हैं। फिल्म के सिनेमैटोग्राफर आशुदीप शर्मा हैं।

'मेहर' 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, राज कुंद्रा की झोली में दो और पंजाबी फिल्में भी हैं! हालांकि, इन फिल्मों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन राज कुंद्रा एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले हैं, जिससे सिनेमा प्रेमियों के लिए ढेर सारा मनोरंजन आने वाला है।

महिलाओं की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए काम: कृतिका कामरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा जल्द ही अपने गृहनगर मध्य प्रदेश जाने वाली हैं, जहां वे उन महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने वाली उनकी एक खास पहल का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने यह पहल साल 2024 में शुरू की थी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करती है। उनका कहना है कि वे हमेशा से अपने माध्यम का इस्तेमाल अगली पीढ़ी की महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए करना चाहती थीं।

कृतिका ने कहा, मेरी मां मध्य प्रदेश से हैं, इसलिए मेरे लिए इस जगह से गहरा और व्यक्तिगत जुड़ाव है। बचपन में उन्होंने मुझे चंदेरी और उसके खूबसूरत लोगों और कपड़ों की कारीगरी से परिचित कराया।

उन्होंने कहा, जब हमने शुरुआत की थी, तो हमारा बड़ा लक्ष्य और कोशिश थी कि राज्य की महिलाओं, खासकर इस क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार दें, उन्हें सशक्त बनाएं और उनके काम को सामने लाएं। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि रोजगार बढ़ाएं, इन महिलाओं को अपनी पहचान दें और उन्हें उचित कीमतों का अधिकार दिलाएं, ताकि उनकी जिंदगी बेहतर हो सके।

उन्होंने आगे कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अपनी आवाज का इस्तेमाल महिलाओं की अगली पीढ़ी को ऊपर उठाने के लिए करना चाहिए। हम आगे बढ़ने के साथ-साथ अधिक से अधिक महिलाओं के साथ काम करना जारी रखेंगे और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करेंगे।

बता दें कि कृतिका उन प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ समय बिताने की योजना बना रही हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। कृतिका अवसर प्रदान करने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के योगदान को पहचानने के महत्व को समझती हैं, खासकर मध्य प्रदेश के चंदेरी में गहरी सांस्कृतिक जड़ें रखने वाले हथकरघा और कपड़ा उद्योगों में।

कृतिका ने कहा, मध्य प्रदेश मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। यह न केवल मेरा गृहनगर है, बल्कि यह वह स्थान भी है, जहां से मैं अपने पारंपरिक परिधानों के लिए प्रेरणा लेती हूं।

उन्होंने कहा कि वह हमेशा किसी न किसी तरह से अपने राज्य के लोगों का समर्थन करना चाहती हैं।

चुनौतीपूर्ण था यारियां बनाना: दिव्या खोसला

फिल्म निर्माता-अभिनेत्री दिव्या खोसला ने अपनी फिल्म 'यारियां' के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण और शानदार क्षणों को याद किया, जो उनके अनुसार एक पेंटिंग की तरह लगती है।

साल 2014 में रिलीज हुई 'यारियां' में हिमांश कोहली, रकुल प्रीत सिंह, निकोल फारिया और एवलिन शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में लक्ष्य, जिया, सलोनी, पारडी और नील की कहानी है, जो सिक्किम के एक कॉलेज में पढ़ते हैं और प्रॉपर्टी डेवलपर्स को अपने कैंपस को ध्वस्त करने से रोकने के लिए एक प्रतियोगिता जीतने का प्रयास करते हैं।

दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म बनाना बेहद मुश्किल है और यारियां निश्चित रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण थी। मैंने ऐसी जगहें खोजने की कोशिश की, जहां पहले कभी शूटिंग नहीं हुई थी इसलिए मैं सिक्किम और दार्जिलिंग गई।

फिल्म निर्माता ने कहा, पहाड़ की चोटियों पर चढ़ना, उन जगहों की तलाश में अंदर और ऊपर की ओर यात्रा करना जो स्क्रीन पर कभी नहीं देखी गई थीं और जब आप यारियां देखते हैं, तो यह एक पेंटिंग की तरह लगती है। हर फ्रेम को मैंने पेंटिंग की तरह दिखने के लिए डिजाइन किया।

उन्होंने बताया, फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन उससे परे मैं एक नई मां भी थी- जब मैंने शूटिंग शुरू की तो मेरा बच्चा सिर्फ छह महीने का था।

दस साल पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें एहसास होता है कि एक नई मां होने के साथ एक फिल्म का निर्देशन करना कितना मुश्किल था।

उन्होंने बताया, वह सबसे मुश्किल हिस्सा था, लेकिन सबसे खास हिस्सा दर्शकों का मिला प्यार था।0 फिल्म बॉक्स ऑफिस अच्छी कमाई की और ब्लॉकबस्टर बन गई।

'यारियां' की री-रिलीज पर दिव्या ने कहा, 'यारियां' को पहली बार रिलीज होने पर दर्शकों ने इतना प्यार दिया कि मेरा दिल भर गया। इसे फिर से रिलीज करना दर्शकों को वापस देने का मेरा तरीका है जिन्होंने इसे पूरे दिल से अपनाया। मुझे याद है कि जब मैं अपनी दूसरी फिल्म 'सनम रे' की शूटिंग लद्दाख में कर रही थी तब एक सुनसान जगह पर कुछ पर्यटक आए और उनमें से एक लडकी मेरे पास आई और मुझे बताया कि उसने 'यारियां' 56 बार देखी है। इस तरह से प्यार पाकर मैं हैरान थी!

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरा दिल वाकई इस सारे प्यार से भर गया है। बेशक, इस फिल्म ने मुझे एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया और इंडस्ट्री में मेरे सफर की शुरुआत की। मैं दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं।

पिता की सेवा-शुश्रूषा सदैव करनी चाहिए

अशोक प्रवृद्ध

श्राद्ध कर्म में विशेष कर पितृ शब्द से विद्यादाता का ग्रहण होता है। अपने उत्पादक पिता की सेवा-शुश्रूषा तो सबको सदैव करनी ही चाहिए। ऐसा नहीं करने वाला कृतघ्न होता है। ज्ञान व विद्या देने वाले ज्ञानी पिता का भी भोजनादि से प्रतिदिन सत्कार करना ही श्राद्ध है। अपने जनक और अन्य यज्ञोपवीत कराने वाले आदि की सेवा को सामान्य प्रकार से तर्पण कहते हैं। श्राद्ध कर्म में पूजने योग्य दो ही हैं- पितृ और देव।

भारतीय परंपरा में मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण माने गए पंच महायज्ञों में ब्रह्मयज्ञ (स्वाध्याय), पितृयज्ञ (तर्पण), देवयज्ञ (होम/हवन), बलि वैश्वदेव (भूतयज्ञ)और नृयज्ञ (अतिथि पूजन) में दूसरे स्थान पर पितृयज्ञ शामिल है। पितृयज्ञ तर्पण का ही अवान्तर भेद श्राद्ध है। भूख-प्यास आदि से होने वाले दुःख की निवृत्तिरूप तृप्ति अथवा प्रसन्नता, मन में पूरा सन्तोष अथवा आनन्दरूप को तर्पण कहा जाता है। और जिस कर्म विशेष के द्वारा अन्न से तृप्त हुए जन क्षुधा से होने वाले दुख से निवृत्त होते हैं, श्रद्धा कहा जाता है। श्रद्धापूर्वक दिये जाने वाले अन्न का नाम श्राद्ध है। श्रद्धापूर्वक बनाये अन्न का खाने वाला श्राद्धभोजी होता है। इसलिए पाणिनी सूत्र में श्राद्धमनेन भुक्तमिनिठनौ कहा गया है। जिसने श्राद्ध का भोजन किया हो, वह श्राद्धी अथवा श्राद्धिक कहा जाता है। यहां भक्ति श्रद्धा से पकाये हुए अन्न का नाम श्राद्ध है। इससे यह सिद्ध है कि भोजन से होने वाले सत्काररूप कर्म का नाम श्राद्ध है। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि भोजन से होने वाले सत्कार कर्म और उस सत्कार के लिए श्रद्धा से बनाए अन्न का नाम श्राद्ध है। श्रद्धा से दिए जाने वाले इस पितृ संबंधी दानकर्म को श्राद्ध कहते हैं।

सामान्यतः पिता शब्द से उत्पादक का अर्थ लिया जाता है, परंतु भारतीय परंपरा में उत्पादक के साथ ही यज्ञोपवीत कराने वाला, विद्यादाता, अन्नदाता और भय से बचाने वाला, ये पांच पिता माने गये हैं। इस प्रकार पितृ शब्द योगरूढ़ है और अपने उत्पादक पिता में रूढ़ि भी है। अन्य लौकिक व्यवहार में पिता शब्द से प्रकरणानुसार जनक, यज्ञोपवीत कराने, अन्न देने अथवा भय से बचाने वाले का ग्रहण होता है। परंतु श्राद्ध कर्म में विशेष कर पितृ शब्द से विद्यादाता का ग्रहण होता है। अपने उत्पादक पिता की सेवा-शुश्रूषा तो सबको सदैव करनी ही चाहिए। ऐसा नहीं करने वाला कृतघ्न होता है। ज्ञान व विद्या देने वाले ज्ञानी पिता का भी भोजनादि से प्रतिदिन सत्कार करना ही श्राद्ध है। अपने जनक और अन्य यज्ञोपवीत कराने वाले आदि की सेवा को सामान्य प्रकार से तर्पण कहते हैं।

श्राद्ध कर्म में पूजने योग्य दो ही हैं- पितृ और देव। वाणी के कर्म में प्रवीण, पढ़ाने व उपदेश करने में सदा प्रवृत अर्थात पढ़ाने और उपदेशादि वाणी के कर्म द्वारा विद्या का प्रचार करके जगत का उपकार करने के लिए प्रतिक्षण प्रवृत्त होने वाले देवता कहाते हैं। मनुस्मृति के अनुसार मानसकर्म ज्ञान में सदा रमण करने, अपने मन ही मन में शुद्ध आनन्द की लहरियों का अनुभव करने, सदा अच्छे-बुरे का विवेक करने, बहुत कम नियम से बोलने अथवा वाणी को वश में करके मौन रहने, विषय पर सम्यक अनुभव कर उसके प्रचार से जगत का उपकार करने, उस विषय को पुस्तकादि द्वारा सरल कर प्रचलित करने वाले पितर हैं। वेदविद्या का दान देने से आचार्य, गुरु को पिता कहते हैं। अज्ञानी को बालक और ज्ञानी को पिता कहते हैं।

शतपथ ब्राह्मण के अनुसार जिनमें वाणी के कठोर, मिथ्याभाषण, चुगली और असम्बद्ध बोलना रूप चार दोष न हों, और सत्य भाषण, हितकारी वाक्य संभाषण, प्रियवाणी बोलना और वेदादिशास्त्र पढ़ने आदि चार प्रसंगों में वाणी का व्यय करना, किन्तु क्रोधादि पूर्वक नहीं बोलना आदि गुण मौजूद हों, वे देव हैं। और मानस विचार में तत्पर रहने वाले अर्थात मन के तीन दोष -परद्रव्यापहरण (अन्य के वस्तु को लेने की तृष्णा), दूसरों के प्रति अनिष्ट विचार और असम्भव विचार संबंधी दोष जिनमें न हों तथा मानस तीन गुण- सब प्राणियों पर दया, निरपेक्ष व सन्तोष और शुभकर्मों अथवा परमात्मा की उपासनादि में श्रद्धाभक्ति जिनमें विशेष कर हों वे पितर कहाते हैं।

स्पष्ट है कि वाचिक पापों से रहित और वाचिक पुण्य करने में विशेष कर प्रवृत्त देव, तथा मानस पापों से रहित, मानस पुण्य करने में अधिक कर प्रवृत्त पितृ कहाते हैं। जिनकी वाणी सब प्रकार शुद्ध है, वे देव और जिनका मन सब प्रकार शुद्ध है, वे पितृ लोग कहाते हैं। मानस विचार की रक्षा वाणी से होती है, इसी कारण पितृ कार्य का रक्षक देवकार्य को माना है। तथा देव को ऋषि और पितृ को मुनि। जहां देव, ऋषि, पितृ, सब आते हैं, वहां ऋषि पद वाच्य ब्रह्मचर्याश्रमस्थ वेदाध्येता तपस्वी अन्तेवासी शिष्य लिए जाएंगे। मनुस्मृति के अनुसार सत्त्वगुण की प्रधानता होने से बुद्धिवर्द्धक तथा खाने योग्य कव्यपदार्थ ही प्रयत्न के साथ ज्ञानियों को खिलाना चाहिए। और होमने योग्य वस्तु चारों प्रकार के विद्वानों को खिलाना चाहिए। इसी कारण उपनिषदों में भी आत्मज्ञानी की पूजा करने का निर्देश दिया गया है। इससे ज्ञानी लोगों का ही सत्कार करने की बात सिद्ध होती है। सत्य-असत्य का विवेक करने वाले ज्ञानी जनों की सम्यक श्रद्धा, भक्ति से सेवा करने वाले सेवकों पर वे प्रसन्न होकर कल्याण करने के लिए मन लगाते हैं। और श्रेष्ठमार्ग का उपदेश करते अथवा संकेतमात्र से जता देते हैं कि यह काम ऐसे करना चाहिए और यह न करना चाहिए।

इसी कारण ज्ञाननिष्ठ पितृजनों के सेवक भी कल्याणभागी होते हैं। इसी से ज्ञानयुक्त पितृजनों की अन्नादि दान से श्रद्धापूर्वक सेवा-शुश्रूषा करनी चाहिए। सब सत्कारों में भोजनार्थ अन्न से सत्कार करना ही सबमें मुख्य है। वैदिक मतानुसार प्राणियों का प्राण अन्न के ही आश्रय है। और भोजन से ही इस शरीर की उत्पत्ति, स्थिति और नाश हो सकता है। सात्विक- सत्त्वगुण का बढ़ाने वाला आहार मिलने पर शरीर निरोग और सत्त्वगुण वाली प्रबल बुद्धि होती है, इसी से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की सिद्धि है। वस्त्र और भूषण आदि सुख के साधनों के न मिलने पर भी केवल अन्न और जल के आश्रय से शरीर ठहर सकता है, परंतु अन्न-जल न मिलने पर अत्यंत समृद्ध धनी होने अथवा सब पृथ्वी का राज्य मिल जाने पर भी शरीर की स्थिति नहीं रह सकती। इससे तर्पण और श्राद्ध में अन्न-जलों से सत्कार करना मुख्य है। अत्यंत प्राचीन काल से ही विद्वानों के मध्य यही परिपाटी चली आ रही है। लेकिन कालांतर में यह परंपरा लुप्त हो गई और मरे हुओं के नाम से पिण्ड देने की नई अवैदिक परंपरा चल पड़ी। पौराणिक ग्रंथों में इन अवैदिक चलन को बढ़ावा दिया गया। इसलिए भोजन से ज्ञानी पितृ लोगों का श्राद्ध करना अत्यन्त उचित है।

श्राद्ध नित्यकर्म और नैमित्तिक दोनों प्रकार का हो सकता है। विधि आज्ञा के अनुसार मनुष्य को नित्य श्राद्ध करना चाहिए। मनुस्मृति में कहा गया है कि- नित्य अन्न, जल, दूध व खीर, फल और कन्द मूलों से पितृ- नाम ज्ञानी पुरुषों का प्रीतिपूर्वक श्रद्धा से सत्कार करना चाहिए। यहाँ नित्यकर्म श्राद्ध के विधान में भोजन के पदार्थ गिनाये हैं। इनमें मांस अभक्ष्य होने से नहीं रखा गया। श्राद्ध में मांस पूर्णतः निषेध है। पंच महायज्ञ सामान्य कर नित्यकर्म हैं, उनके अन्तर्गत होने से भी श्राद्ध नित्यकर्म सिद्ध होता है, यह सब कथन उत्सर्गरूप से है। और अपवादरूप से श्राद्ध नैमित्तिक भी है। अर्थात जो कोई प्रतिदिन भोजनादि सत्कार के साधनों के न मिल सकने से श्राद्ध नहीं कर सकता। अथवा जिसको सत्कार के योग्य पितृजन नित्य-नित्य नहीं प्राप्त होते, उसको साधनों के मिलने और पूज्य पितृजनों की प्राप्ति होने पर श्राद्ध करना चाहिए। सत्कार के योग्य पितृजनों के संबंध में कहा गया है-

अज्ञो भवति वै बालः पिता भवति मन्त्रदः।

अर्थात -ज्ञानवृद्ध का नाम पिता है, किन्तु अवस्थावृद्ध का नाम नहीं।

प्राचीन काल में नैमित्तिक श्राद्ध के लिए हमारे पूर्वजों ने समय नियत किया था। इसी कारण पाणिनी ने अपने सूत्र में कहा है- श्राद्धे शरदः अर्थात -ऋतुवाचक शरद् शब्द से श्राद्ध अर्थ में ठञ् प्रत्यय होता है। यद्यपि शरद ऋतु में अनेक सामान्य अथवा विशेष कार्य होते हैं, तथापि शरद ऋतु में हुए अथवा होने वाले श्राद्ध का ही नाम शारदिक होता है, शरद ऋतु के अन्य कामों को शारद कहा जाता है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि शरद ऋतु में ही श्राद्ध किया जाये अन्य में न किया जाय अथवा अन्य ऋतु में श्राद्ध नहीं होता। साधनों के ठीक-ठीक न मिलने आदि पर श्राद्ध का नैमित्तिक करना कहा गया है। भोजन करने योग्य वस्तु- खोया, बरफी और रबड़ी, खीर आदि अनेक प्रकार के मीठे अथवा दही, मठा, शिखरन आदि सर्वोपरि उत्तम पदार्थ दूध से बनते हैं। और वर्षा ऋतु के होने से गौ आदि पशुओं के भोजन घासादि मुख्य कर उसी समय अथवा उससे कुछ पहले अवश्य उत्पन्न होते हैं।

पशुओं के भक्ष्य घासादि की अधिकता से दूध अधिकतर उत्पन्न होता है। इस कारण खीर आदि वस्तु सुगमता से प्राप्त हो सकते है। श्राद्ध में खीर आदि पुष्ट वस्तुओं का प्रायः विधान किया है। अन्नों के बीच उत्तम चावल मुख्य माने गये हैं। वे भी वर्षा की अधिकता से शरद ऋतु में ही उत्पन्न होते हैं। इसी कारण आश्विन (क्वार) के महीने में पूर्वकाल से नैमित्तिक श्राद्ध की परिपाटी चलाई गई थी। यह सत्य परम्परा अब नष्ट हो गई है, अर्थात वह श्राद्ध जिस उद्देश्य से पहले चलाया गया था, वैसा उद्देश्य अब नहीं रहा। अब कोई वैसे ज्ञानी लोगों को श्राद्ध के लिए न खोजता और न परीक्षा करता और न उसके मुख्य प्रयोजन को समझ कर श्राद्ध करता है। अब अधिकतर इसके ठीक विपरीत होता है।

सू- दोकू क्र.81

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मुक्त व्यापार की विडंबना

ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बाद अब भारत ने न्यूजीलैंड से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू की है। छह साल पहले के घटनाक्रम को याद करें, तो न्यूजीलैंड से अब ऐसे करार की बनी जरूरत को एक विडंबना ही कहा जाएगा।

गौरतलब है, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते के लिए वार्ता में भारत आरंभ से शामिल था। लेकिन 2019 में जब दस्तखत की बारी आई, तो ऐन वक्त पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा ना करने का फैसला किया था।

तब इसकी एक वजह चीनी उत्पादों से भारतीय बाजारों के पट जाने की आशंका को बताया गया था।

यह पेचीदा सवाल

दूसरे कारण के तौर पर न्यूजीलैंड एवं ऑस्ट्रेलिया से संभावित आयात से भारतीय दुग्ध उद्योग के खतरे में पड़ने की सूरत का जिक्र हुआ था। वो दोनों दुग्ध उत्पाद में अग्रणी देश हैं। आरसीईपी में शामिल ना होने के कारण भारत चीनी उत्पादों से किस हद तक बचा पाया, यह अलग, लेकिन गंभीर पड़ताल का विषय है।

बहरहाल, अब न्यूजीलैंड से भारत ने एफटीए के लिए वार्ता शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड में औसत आयात शुल्क 2.3 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह औसतन 17.8 फीसदी है। ऐसे में साफ है कि किस देश को आयात शुल्क में अधिक रियायत देनी होगी।

ऐसे में न्यूजीलैंड के अपेक्षाकृत सस्ते दुग्ध उत्पादों से भारतीय दुग्ध उत्पादकों को कैसे संरक्षण दिया जाएगा, यह पेचीदा सवाल है।

फिर न्यूजीलैंड आरसीईपी का सदस्य है। ऐसे में वहां चीनी उत्पादों के हुए आयात को सेकंडरी निर्यात के तौर पर भारत भेजा गया, तो उससे बचाव के लिए भारत बाड़ कैसे लगा पाएगा? न्यूजीलैंड मांस और शराब का भी बड़ा निर्यातक है।

तो उसके लिए भारतीय बाजार के खुलने की संभावना बनेगी। जब ऋषि सुनक के कार्यकाल में भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए पर बात आगे नहीं बढ़ी, तो एक तत्कालीन ब्रिटिश मंत्री ने कहा था कि भारत करार के तहत सिर्फ फायदा चाहता है, रियायत नहीं देना चाहता।

स्पष्टतः इस नजरिए के साथ एफटीए नहीं हो सकता। मगर मुद्दा है कि भारत का ऐसा नजरिया क्यों है? भारत को अपने उत्पादों के प्रतिस्पर्धा में टिकने का भरोसा क्यों नहीं है?(आरएनएस)

स्कूलों व किताब विक्रेताओं की मनमानी के खिलाफ धरना दे रहे पंकज को पुलिस ने उठाया

देहरादून (सं)। स्कूलों की फीस वृद्धि व किताब विक्रेताओं की मनमानी के खिलाफ धरना दे रहे पंकज क्षेत्री को पुलिस ने उठाकर रायपुर रोड पर छोड दिया। आज यहां स्कूलों की फीस वृद्धि व किताब विक्रेताओं की मनमानी के खिलाफ अधिवक्ता पंकज क्षेत्री ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना दिया। उनका कहना था कि स्कूल प्रबंधकों के द्वारा प्रत्येक वर्ष फीस में अत्यधिक वृद्धि की जाती है जिससे अभिभावकों शोषण होता है। लेकिन बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए अभिभावक इनका शोषण झेलते हैं तथा विरोध नहीं कर पाते हैं। वहीं किताब विक्रेता भी किताब कापियों के दामों में वृद्धि करने के साथ ही नकली प्रकाशकों की किताबें बेच रहे है। जिससे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड किया जा रहा है। पंकज क्षेत्री के धरने की सूचना जब पुलिस प्रशासन को मिली तो काफी संख्या में पुलिस जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर पहुंची और उन्होंने वहां से पंकज क्षेत्री को जबरन धरने से उठा दिया और उसको वहां से रायपुर रोड स्थित एकता विहार के बाहर छोड दिया।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने बद्रीपुर चौक के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 58 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम जयप्रकाश पुत्र रामस्वरूप निवासी माजरी चौक बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष के बयान से गुस्से में लोग, पुतला फूंका

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स के बयान के बाद गुस्साये लोगों ने वक्फ बोर्ड अध्यक्ष का पुतला फूंक नारेबाजी की। साथ ही रूड़की ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के नाम ज्ञापन प्रेषित किया।

आज जुमे की नमाज के बाद पिरान कलियर के युवा और बुजुर्ग इक्कट्ठा होकर पीपल चौक पहुंचे और उन्होंने उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष का पुतला फूंककर नारेबाजी की। वक्फ बिल का विरोध करने वाले मुसलमानों पर शादाब शम्स ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल का विरोध करने वाले मुस्लिम सगठन ओर विपक्ष बिल के बहाने मुसलमानों को बहकाने का काम कर रहे हैं। उनके इस बयान के बाद मुसलमानों में उनके खिलाफ आक्रोश उत्पन्न हो गया हैं और उनके पुतले फुकर विरोध किया हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने मुस्लिम समुदाय की भावनाए आहत की हैं। उन्होंने मीडिया में एक बयान दिया कि जो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नहीं वो मुसलमान नहीं। उन्होने कहा कि हम भारतीय मुसलमान है और देश के प्रधानमंत्री का बहुत ही मान-सम्मान करते है और शादाब शम्स कोई मुफ्ती या मुस्लिम समाज में उलेमा नहीं है। वह तय नही करेगे की मुसलमान कौन मुसलमान है कौन नहीं है। उन्होंने वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स के बयान को मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत करने वाला बताया हैं और शादाब शम्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की हैं।

डीएम का माइक्रो प्लान कामयाब, बच्चे दिखा रहे शिक्षा में रुचि

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल का माइक्रोप्लान कामयाब होता दिखायी दे रहा है सडक से उठाकर शिक्षा के मंदिर पर पहुंचाने का प्लान सफल हो रहा है।

जिलाधिकारी सविन बंसल के सतत् प्रयासों से भिक्षावृत्ति, बाल मजदूरी से मुक्त कराए गए बच्चे राज्य के प्रथम इन्टेंसिव केयर शेल्टर में मुख्यधारा से जुड़ने लगे हैं, दिन प्रतिदिन बच्चों की संख्या भी बढती जा रही है। जहां बच्चें, संगीत, योग, खेल एक्टिविटी के साथ ही शिक्षा में रूचि ले रहे हैं। जिलाधिकारी सविन बंसल हर क्षेत्र पर तेजी से कार्य कर हैं, वहीं माइक्रोप्लान के तहत तैयार किए गए राज्य का पहला आधुनिक इन्टेंसिव केयर शेल्टर से जंहा भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर आखर ज्ञान के साथ ही तकनीकि ज्ञान तथा संगीत एवं अन्य गतिविधि के माध्यम से मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। डीएम के माईक्रोप्लान से जहां सड़कों पर भिक्षावृत्ति करते बच्चों को रेस्क्यू कर मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर में विशेषज्ञ शिक्षक अपनी-अपनी विधा योग, संगीत, खेल, मंचन, कम्प्यूटर शिक्षा से बच्चों को पारंगत कर रहे है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए राज्य के पहले आधुनिक इन्टेसिंव केयर शैल्टर में बच्चों की शिक्षा के साथ ही कम्प्यूटर ज्ञान एवं संगीत के माध्यम से बच्चों को मुख्यधारा से जाड़ने के लिए कम्प्यूटर रूम, म्यूजिक रूम तैयार कर लिया गया है। अब भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किए गए बच्चे तकनीकि ज्ञान के साथ संगीत शिक्षा भी प्राप्त करेंगें। आधुनिक इन्टेंसिव केयर शेल्टर में प्रतिदिन 25-30 बच्चे कक्षाओं में पढाई कर हैं, जिनके भावी भविष्य को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों में रेस्क्यू किये बच्चों सहित संस्थानों एवं घरों से भी बच्चे आ रहे हैं। इस मुहिम से जहां बच्चों में शिक्षा के प्रतिरूचि बढ रही है वहीं संगीत, चित्रकला, कम्प्यूटर ज्ञान, खेल के माध्यम से बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है। आधुनिक केयर शेल्टर में निजी स्कूल/संस्थान की भांति सुविधाएं विकसित की गई हैं। साधुराम इंटर कॉलेज में बनाए जा रहे आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर में भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए बच्चों को अन्य बच्चों की भांति मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मॉडल इन्टेसिव केयर शैल्टर को युद्धस्तर विकसित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों के शैक्षणिक एवं कौशल विकास को विकसित करने हेतु स्वंयसेवी, विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास में योगदान दिया जा रहा है। जहां बच्चों के लिए पठन-पाठन हेतु कक्षा कक्ष को विकसित किया गया। अब उक्त परिसर में कम्प्यूटर उपकरण स्थापित कर दिए गए हैं । साथ ही संगीत कक्ष स्थापित करते हुए उपकरण को संजोया गया है। उक्त आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर का उद्देश्य इन बच्चों को शैक्षिक विकास हेतु रूचि उत्पन्न करने हेतु आदर्श वातावरण तैयार कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने कार्य किया जा रहा है। आधुनिक केयर शैल्टर में जहां बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था है वहीं बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है।

❑सड़क से उठाकर शिक्षा के मन्दिर तक पहुंचाने में सफल हो रहा डीएम का प्लान

पुलिस जवानों को शारीरिक रुप से फिट रखने को कराई जा रही है साप्ताहिक परेड

संवाददाता

टिहरी। पुलिस बल में एकरुपता एवं अनुशासन लाने और पुलिस बल को शारीरिक व मानसिक रुप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए परेड का आयोजन किया गया।

आज यहां आयुष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा पुलिस लाईन चंबा के परेड ग्राउंड में पुलिस बल में एकरुपता एवं अनुशासन लाने और पुलिस बल को शारीरिक व मानसिक रुप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए शुक्रवार की परेड का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम एसएसपी द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया, तत्पश्चात पुलिस बल के साथ स्वयं भी दौड़ लगाई तथा कार्मिकों की अच्छी फिटनेस हेतु प्रेरित किया गया। परेड के दौरान दौड़, ड्रिल, शस्त्राभ्यास, सैल्यूट , स्क्वाड ड्रिल एवं बलुआ ड्रिल आदि का अभ्यास कराया गया। इस दौरान श्रीमती ओशिन जोशी, क्षेत्राधिकारी टिहरी/पुलिस लाइन चंबा, महेश लखेड़ा, क्षेत्राधिकारी चंबा, एवं इंस्पेक्टरों सहित पुलिस कार्यालय और पुलिस लाईन के सभी अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिकारियों को सौंपी यात्रा तैयारियों की जांच

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार द्वारा चार धाम यात्रा की तैयारियों को धार देने के लिए सचिव स्तर के चार अधिकारियों को तैयारियों की जांच की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों से कहा कि सड़क मार्गो की स्थिति से लेकर यात्रा मार्गो और धामों में जन सुविधाओं की जांच कर सरकार को 11 अप्रैल तक रिपोर्ट पेश करें।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 30 अप्रैल से यात्रा का शुभारंभ होने जा रहा है तथा सभी चारों धामों के कपाट खुलने की तारीखों की घोषणा भी की जा चुकी है। 30 अप्रैल से शुरू होने वाली इस यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया गतिमान है तथा आगामी 8 अप्रैल से केदारनाथ के लिए हेली सेवा का पंजीकरण भी शुरू होने जा रहा है। यात्रा के शुरू होने में अब अधिक समय शेष नहीं बचा है। इसलिए सरकार भी यात्रा शुरू होने से पहले यह सुनिश्चित कर लेने में जुटी है कि तैयारियां कहां तक पहुंची है तथा इन्हें समय से पूर्व कैसे पूरा किया जा सकता है।

जिन चार अधिकारियों को यह जिम्मेदारी सौंप गई है उनमें नीरज खैरवाल को यमुनोत्री तथा वी.वी. पुरुषोत्तम को गंगोत्री धाम की जिम्मेदारी दी गई है वहीं केदार धाम की तैयारियों का जायजा किशोर पंत लेंगे तथा आर. राजेश कुमार बद्रीनाथ धाम की तैयारियों की जांच करेंगे। इन सभी सचिव स्तर के अधिकारियों से 11 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट शासन को देने के लिए कहा गया है। जिससे यह पता चल सकेगा कि कहां कहां क्या-क्या काम कराया जाना बाकी है। गंगोत्री-यमुनोत्री मार्ग पर अभी 110 किलोमीटर सड़क के सुधारीकरण का काम बाकी है तथा सड़क की स्थिति अत्यंत ही खराब है। यात्रा के दौरान किसी तरह का व्यवधान न आए इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रवेश द्वार ऋषिकेश को 16 सेक्टरों में बांटा गया है तथा हर सेक्टर के लिए एक इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी की तैनाती की गई है कल 5 अप्रैल को कमिश्नर गढ़वाल द्वारा ऋषिकेश में समीक्षा बैठक भी होने जा रही है।

❑चारों धामों के लिए चार अधिकारी नियुक्त

❑11 अप्रैल तक रिपोर्ट पेश करने के आदेश

एक नजर

फिल्म निर्देशक व अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन

मुंबई। अपने जमाने के दिग्गज एक्टर मनोज कुमार का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। 87 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में आखिरी सांस ली। मनोज अपनी देश भक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे। उन्होंने क्रांति, उपकार, पूरब पश्चिम जैसी मूवी की थी। फिल्म निर्देशक व अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर बेटे कुणाल गोस्वामी ने कहा कि उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। यह भगवान की कृपा है कि उन्होंने शांतिपूर्वक इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका अंतिम संस्कार कल होगा। 24 जुलाई 1937 को पाकिस्तान के एबटाबाद में जन्में मनोज कुमार का असली नाम हरिकृष्ण गोस्वामी था। एबटाबाद वही जगह है जहां पर 2 मई 2011 को अमेरिका ने आतंकी ओसामा बिन लादेन को मार गिराया था। मनोज कुमार बचपन से ही दिलीप कुमार के बहुत बड़े फैन थे। दिलीप साहब की फिल्म शबनम (1949) इन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसे कई बार देखा। फिल्म में दिलीप कुमार का नाम मनोज था तो यह देखकर इन्होंने भी अपना नाम मनोज कुमार रख लिया। मनोज कुमार को 7 फिल्मफेयर पुरस्कार मिले थे। पहला फिल्मफेयर उन्हें साल 1968 में फिल्म उपकार के लिए मिला था। उपकार ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ कहानी और सर्वश्रेष्ठ संवाद के लिए 4 फिल्मफेयर जीते। साल 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मनोज कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर उपकार बनाई थी लेकिन शास्त्री जी यह फिल्म नहीं देख पाए। शास्त्री जी का 1966 में निधन हो गया जबकि फिल्म 1967 में रिलीज हुई।

आयुष्मान योजना घोटालाः 4 राज्यों में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों-झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में शुक्रवार को ईडी की टीमों ने एक साथ 12 से अधिक जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आयुष्मान भारत योजना में कथित फर्जीवाड़े और वित्तीय गड़बड़ियों के चलते की गई है। यह छापेमारी इन आरोपों के बाद की जा रही है कि कुछ अस्पतालों ने बिना मरीजों को भर्ती किए ही भारी-भरकम बिल बनाकर भुगतान ले लिया। यानी इलाज हुआ नहीं, फिर भी बीमा राशि निकाल ली गई। इस घोटाले की बुनियाद तो 2023 में संसद में पेश कैग रिपोर्ट में ही रख दी गई थी, जिसमें झारखंड में आयुष्मान योजना में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार का खुलासा किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि सिर्फ झारखंड में ही कम से कम 212 अस्पतालों ने बिना मरीजों के भर्ती हुए बीमा राशि हड़प ली। यानी दस्तावेजों में मरीज थे, पर असल में नहीं। 12.3 करोड़ गरीब परिवार इस योजना के तहत कवर किए गए हैं। प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये तक की मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। योजना को अब 70 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिकों के लिए विस्तारित कर दिया गया है।

कांग्रेस वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया वक्फ संशोधन विधेयक 2025 दोनों सदनों में पास करा लिया है। इस बीच, कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह संसद में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की संवैधानिकता को बहुत जल्द उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। राज्यसभा ने वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इसी के साथ संसद में यह विधेयक पारित हो गया। लोकसभा ने बुधवार देर रात करीब दो बजे इस विधेयक को पारित कर दिया था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कांग्रेस वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को उच्चतम न्यायालय में बहुत जल्द चुनौती देगी। उन्होंने कहा, हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और परंपराओं पर मोदी सरकार के सभी हमलों का विरोध करते रहेंगे। रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) 2019 को चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने की आपदा प्रबन्धन विभाग की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्य के अस्पतालों के डिजास्टर मेनेजमेंट प्लान की स्थिति का अपडेट लेते हुए मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी अस्पतालों के डिजास्टर मेनेजमेंट प्लान को एक माह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने महानिदेशक स्वास्थ्य के कार्यालय में आपदा प्रबन्धन हेतु नोडल अधिकारी की तत्काल तैनाती के निर्देश दिए हैं। इसके साथ उन्होंने सभी स्वास्थ्य विभाग को सभी जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के साथ जिला अस्पतालों की आपदा प्रबन्धन रणनीति व वर्किंग प्लान पर बैठक करते हुए इस मुद्दे पर स्वास्थ्य महकमें को सेंस्टाइज करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन आज उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के आईटी पार्क स्थित कार्यालय में प्राधिकरण की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

भूकम्प सवेंदी राज्य होने के दृष्टिगत मुख्य सचिव ने आपदा प्रबन्धन विभाग को एनडीएमए के सहयोग से जल्द ही भूकम्प सम्बन्धित मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह मॉक ड्रिल सभी जिला मुख्यालयों में भी आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

आपदा संवेदी राज्य में धरातल स्तर से आपदा प्रबन्धन के प्रशिक्षण को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने आपदा प्रबन्धन विभाग को विद्यालयी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग से समन्वय करते हुए सभी निजी एवं सरकारी स्कूल-कॉलेजों में प्रत्येक तिमाही एक दिन आपदा प्रबन्धन पर विशेषरूप से भूकम्प से सम्बन्धित अनिवार्यतः मॉक ड्रिल करवाने के निर्देश दिए हैं।

भूस्खलन जैसी बड़ी आपदाओं के सम्बन्ध में चारधाम यात्रा मार्ग पर पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने यात्रा मार्ग पर रियल टाइम वार्निंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने आपदा प्रबन्धन विभाग को आवास के निर्माण से सम्बन्धित दिशा निर्देशों के सख्ती से पालन करवाने के सम्बन्ध में निर्देश जारी करने को कहा है।

बैठक में सचिव एवं अपर सचिव आपदा प्रबन्धन, उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के विभिन्न अधिकारी तथा विशेषज्ञ मौजूद रहे।

कूड़े के ढेर में आग लगने से खलबली

देहरादून (सं)। कूड़े के ढेर में आग लगने से क्षेत्र में खलबली मच गयी फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रातः आईएसबीटी चौक के पास स्थित कूड़े के ढेर में आग लग गयी और आग की लपटे निकलनी लगी तो आसपास के क्षेत्र में खलबली मच गयी और लोग इधर उधर भागने लगे। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

घर बैठे कमाने के चक्कर में गंवाये 4 लाख रुपये

देहरादून (सं)। चन्दर नगर निवासी ऋचा खन्ना ढींगरा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको एक काल आया और बताया गया कि वो उन औरतो को आय मे मदद करते है जो घर मे रहती है और कुछ कमाना चाहती है। उसने उसको टेलीग्राम पर कुछ रेटिंग करने के बारे मे बताया और उसको 210 रूपये प्राप्त हुए। इस प्रकार आगे उसको कुछ रूपये जमा करने पर ट्रेडिंग के लिए बोला गया और उसको दो बार रूपये प्राप्त भी हुए। परन्तु उसके बाद वह उसको कहने लगे कि उसने गलती की है इसलिए उसको और पैसा लगाना होगा। ग्रुप मे बहुत से लोग थे जो कि उनके सफल ट्रेड का स्क्रीनशॉट भेज रहे थे और बता रहे थे कि उन्होंने बहुत कमाया। इस प्रकार उसने उन पर भरोसा किया और धीरे-धीरे उनके बताये आईएसडी पर यूपीआई ट्रांसवर करी जब तक वह सम्भल पाती कि वह एक स्कैम का शिकार हो गयी है तब तक उसका 4 लाख 06,268 रूपये का नुकसान हो चुका था।

महिला पर पति ने किया जानलेवा हमला

संवाददाता

देहरादून। महिला पर पति के द्वारा जानलेवा हमला करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश पुर निवासी रेखा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी छोटी बहन अपने परिवार के साथ लोहिया नगर दुर्गा मंदिर के पास रहती है उसके साथ उसका पति सिनही यादव अक्सर लड़ाई झगड़ा करता रहता है। रात में उसकी बहन अपने पति व बच्चों के साथ अपने घर में सोई थी उसी रात उसकी भांजी कल्याणी 11 वर्षीय उठी उसने देखा उसकी मां दर्द से चिल्ला रही थी और उसके खून बह रहा था अगले दिन उसकी बहन का पति काम करने सुबह चला गया उसकी बहन को इलाज के लिए भी नहीं ले गया तब उसकी भाजी ने अगले दिन उसको घटना के बारे में बताया और कहा कि रात पापा उनके लिए कोल्ड ड्रिंक लाए थे जिसे पीकर उन सबको गहरी नींद आ गई थी, वह कोल्ड ड्रिंक पापा ने नहीं पी थी, उस कोल्ड ड्रिंक में कुछ नशीला

पदार्थ मिला था, इसके बाद लगभग साढे तीन बजे जब उसकी नींद खुली तो उसने देखा की मम्मी के बहुत खून बह रहा है अगले दिन अपने पड़ोसी को यह घटना बताई तो पडोसी एंबुलेंस के जरिए उसकी बहन सुमन को राजकीय दून हास्पिटल लेकर आये, जब वह अपनी बहन को देखने हॉस्पिटल गयी तो देखा कि उसकी बहन बेसुध पड़ी थी। पूछने पर बता रही थी कि सुमन के पति सिनही ने सुमन के गुप्तअंगो के रास्ते में कोई चीज डाली है, जिससे गुप्त अंगो में बहुत गहरी चोटें आई है, उसकी बहन दून हॉस्पिटल में भर्ती है, डॉक्टर द्वारा बताया गया कि उसकी बहन सुमन के आंतों में चोटे आई है, उसका ऑपरेशन होना है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर से दवा लेने गयी युवती लापता

संवाददाता

देहरादून। घर से दवा लेने गयी युवती के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी व्यक्ति ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी प्रातः 11 बजे घर से सुभारती अस्पताल झाझरा दवाई लेने के लिए गयी थी जो अभी तक घर वापिस नही आयी है उसने रिश्तेदारो व आस पडोस में पूछताछ की लेकिन कुछ पता नही चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।